U - 1 3 3 - R *

U-133-R

B. A. (Part - III) Examination, 2021

(For Regular / Ex. Candidates)

हिन्दी साहित्य

Paper - II

नाटक और निबंध

Time Allowed : **Three Hours**

Maximum Marks : **100**

Note : *This question paper contains* ***three*** *sections as under :*

Section-A **खण्ड-अ** **Max. Marks - 10**

This section contains one compulsory question with 10 parts. Answer of each part should not exceed 20 words. All questions carry equal marks.

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न है जिसमें 10 भाग हैं । प्रत्येक भाग का उत्तर लगभग 20 शब्दों से अधिक न हों । सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

Section-B **खण्ड-ब** **Max. Marks - 50**

This section contains 10 questions or explanations. Attempt 5 questions or explanations in all, selecting one question or explanation from each unit. Answer of each question or explanation should not exceed 250 words All questions or explanationa carry equal marks.

इस खण्ड में 10 प्रश्न अथवा व्याख्या है । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न अथवा व्याख्या का चयन करते हुये, कुल 05 प्रश्नों अथवा व्याख्याएं के उत्तर दीजिये । प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो । सभी प्रश्नों अथवा व्याख्याएं के अंक समान है ।

Section-C **खण्ड-स** **Max. Marks - 40**

This section contains 04 questions (questions may have sub-divisions). This section will cover all units but not more than one question from each unit. Attempt 2 questions in all. Answer of each question should not exceed 500 words. All questions carry equal marks.

इस खण्ड में 04 प्रश्न है, प्रश्न के भाग हो सकते है । इस खण्ड में एक इकाई से अधिकतम एक प्रश्न होगा । कुल दो प्रश्नों के उत्तर दीजिये । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों से अधिक न हों । सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

https://pyqlive.com

खण्ड – अ

1 सभी प्रश्न अनिवार्य है –

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के किन्हीं दो नाटकों के नाम लिखिए । 1

(ii) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की नायिका ध्रुवस्वामिनी के चरित्र की दो विशेषताएँ बताईये । 1

(iii) 'भारत दुर्दशा' नाटक में कितने अंक हैं ? 1

(iv) 'साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है' । निबन्ध के लेखक का नाम लिखिए । 1

(v) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' ने जयपुर से किस पत्रिका का सम्पादन किया था । 1

(vi) 'भारतीय संस्कृति और राष्ट्र' निबन्ध के लेखक का नाम लिखिए । 1

(vii) 'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' निबन्ध का मूल प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए । 1

(viii) ''पागल का लगना' एक का लगना होता है, कवि का 'लगना' सबको लगने लगता है ।' यह पंक्ति किस निबन्ध से ली गयी है ? 1

(ix) नाटक के तत्व लिखिए । 1

(x) ललित निबन्ध की दो विशेषताएँ बताते हुए किसी एक ललित निबन्धकार का नाम लिखिए । 1

खण्ड – ब

इकाई – I

2 संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :

कोऊ नहिं पकरत मेरो हाथ ।
बीस कोटि सुत होत फिरत मैं हा हा होय अनाथ ॥
जाकी सरन गहत सोइ मारत सुनत न कोउ दुखगाथ ।
दीन बन्यौ इत सों उत डोलत टकरावत निज माथ ॥
दिन दिन बिपति बढ़त सुख छीजत देत कोऊ नहि साथ ।
सब विधि दुख सागर में डूबत धाइ उबारौ नाथ ॥

10

अथवा

3 आर्य ! आप बोलते क्यों नहीं ? आप धर्म के नियामक हैं । जिन स्त्रियों को धर्म–बन्धनों में बाँधकर उनकी सम्मति के बिना उनका सब अधिकार छीन लेते हैं, तब क्या धर्म के पास कोई प्रतिकार–कोई संरक्षण नहीं रख छोड़ते, जिससे वे स्त्रियाँ अपनी आपत्ति में अवलम्ब माँग सकें ? क्या भविष्य के सहयोग की कोरी कल्पना से उन्हें आप संतुष्ट रहने की आज्ञा देकर विश्राम ले लेते हैं ? 10

इकाई–II

4 संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :

संस्कृत यद्यपि बोलचाल की भाषा इस समय न रह गयी थी, पर हर एक विषय के ग्रन्थ इसमें एक से एक बढ़–चढ़कर बनते गये और साहित्य की तो यहाँ तक तरक्की हुई कि कालिदास आदि कवियों की उक्तियुक्ति के मुकाबले वेद का भद्दा और रूखा साहित्य अत्यन्त फीका मालूम होने लगा । कालिदास की एक–एक उपमा पर और भवभूति, भारवि, श्री हर्ष, बाण की एक–एक छटा पर वेद का उमदा से उमदा सूक्त, जिनमें हमारे पुराने आर्यों ने भरपच साहित्य की बड़ी भारी कारीगरी दिखलाई है, न्यौछावर है । **10**

अथवा

5 एकाग्रीभाव छन्द की आत्मा है । अगर यह न होता तो शिव का ताण्डव बेमेल धमाचौकड़ी और लस्टम–पस्टम उछल–कूद के सिवा और कुछ न होता । ताण्डव की महिमा आनन्दोमुखी एकाग्रता में है । समाधि भी एकाग्रता चाहती है । ध्यान, धारणा और समाधि की एकाग्रता से ही योग सिद्ध होता है । बाह्य प्रकृति के दुर्वार आकर्षण को छिन्न करने का उल्लास ताण्डव है । अन्तः प्रकृति के असंयत फिकान को नियन्त्रित करने के उल्लास का नाम समाधि है । **10**

इकाई–III

6 संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :

यह सभ्यता–बोध यदि इतिहास के असंख्य प्रहारों के बावजूद जीवित रहा तो सिर्फ इसलिए कि भारत में आदि जीवन के दर्शन सूत्र महज पोथियों के भीतर नहीं – समकालीन भारतीय की स्मृति में प्रवहमान हैं । स्वप्न की तरह हर स्मृति की अपनी बिम्ब–भाषा होती है – वह कहीं से भी उत्प्रेरित हो सकती है, वैदिक ऋचाओं, पौराणिक कथाओं अथवा महाकाव्यों से । यह वैसी ऐतिहासिक स्मृति नहीं है, जैसी ग्रीस की सभ्यता एक आधुनिक योरोपवासी के लिए स्मृति है, जिसे वह पुस्तकों अथवा संग्रहालयों में ही याद कर पाता है । **10**

अथवा

7 जैसे धृतराष्ट्र ने लौह निर्मित भीम को अपने अंक में भरकर चूरचूर कर दिया था – वैसे ही प्रायः पार्थिव व्यक्तित्व कल्पना निर्मित व्यक्तित्व को खण्ड–खण्ड कर देता है । पर इसे मैं अपना सौभाग्य समझती हूँ कि खण्ड के प्रत्यक्ष दर्शन ने मेरी कल्पना प्रतिमा को अधिक दीप्त सजीवता दी । उसे कहीं से खण्डित नहीं किया । पर उस समय मन में कुतूहल का भाव ही अधिक था जो जीवन के शैशव का प्रमाण है । **10**

इकाई–IV

8 जयशंकर प्रसाद की नाट्यकला की विशेषताओं पर संक्षेप में विचार प्रस्तुत कीजिए । 10

अथवा

9 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की निबन्ध शैली की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । 10

इकाई–V

10 हिन्दी नाटक के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए । 10

अथवा

11 'निबन्ध' को परिभाषित करते हुए निबन्ध की प्रमुख शैलियाँ स्पष्ट कीजिए । 10

खण्ड – स

12 भारत दुर्दशा नाटक जागरण का नाटक है, स्पष्ट करते हुए पात्रयोजना पर प्रकाश डालिए । 20

13 'धर्म और समाज' निबन्ध में गुलेरी जी ने जो संदेश दिया है, उसे अपने शब्दों में लिखिए । 20

14 व्यंग्यविधा के विकास में हरिशंकर परसाई के योगदान पर अपने विचार प्रकट कीजिए । 20

15 आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की निबन्ध शैली की विशेषताएँ लिखिए । 20

Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से